

जीवन भर. जीवन भर
 जीवन भर तेरे गुण गाऊँ-आई है मर्क की नवरात्री
 मर्क तुमको ज्योत जलाऊँ-आई है मर्क की नवरात्री
 आई है मर्क की नवरात्री-जय हो मर्क
 आई है मर्क की नवरात्री-जय हो मर्क
 आई है मर्क की नवरात्री-नवरात्री
 आई है मर्क की नवरात्री

पहला रूप शैल पुत्री माता
 तुम जगजननी मर्क जगदाता
 दूसरा रूप ब्रह्मचारणी माता
 आप ही हो भवतारणी माता
 तीजा रूप चन्द्रघंटा माता SSSSSSS
 तीजा रूप चंद्रघंटा माता-सबको कैसे बताऊँ
 अरे सबको कैसे बताऊँ-आई है मर्क की नवरात्री
 आई है मर्क की नवरात्री-आई है मर्क की नवरात्री
 जीवन भर----

चौथा रूप कुण्डमाण्डा माता
 नैया खिवैया तुम हो माता
 रूप पाँचवा स्कन्द माता
 सुमरण से दुखड़ा मिट जाता
 दृढ़ रूप कात्यायनी माता ~~मर्कट~~ ^{SSSS}
 दृढ़ रूप कात्यायनी माता-सबको कैसे दिखाऊँ
 उरे सबको कैसे दिखाऊँ-आई है ~~मर्कट~~ की नवरात्री
 आई है ~~मर्कट~~ की नवरात्री-आई है ~~मर्कट~~ की नवरात्री
 जीवन भर - - - -

सातवाँ रूप कालरात्री माता
~~मर्कट~~ कहलाती भय की त्राता
 आठवाँ रूप महागौरी माता
 सबकी रक्षा करती माता
 नमों रूप सिद्धदात्री माता ~~मर्कट~~ ^{SSSS}
 नमों रूप सिद्धदात्री माता-सबको शीश नवाऊँ
 मैया सबको शीश नवाऊँ-आई है ~~मर्कट~~ की नवरात्री
 आई है ~~मर्कट~~ की नवरात्री-आई है ~~मर्कट~~ की नवरात्री
 जीवन भर - - - -

म० को चंदन तिलक लगाऊँ
 स्वर्ण युष्प माला पहनाऊँ
 रो के बुलाऊँ - भेंटें गाऊँ sss म० sss
 रो के बुलाऊँ भेंटें गाऊँ - और "श्री बाबा श्री" कहलाऊँ
 म० "श्री बाबा श्री" कहलाऊँ
 आई है म० की नवरात्री
 आई है म० की नवरात्री
 आई है म० की नवरात्री
 जिवन भर ले रे -----